न्यूज डायरी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के टेप सामने आए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका और दुनिया के इतिहास में सबसे चर्चित घोटालों में से एक वॉटरगेट स्कैंडल के बाद राष्ट्रपति पद से हटाए गए रिचर्ड निक्सन एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार भारत और भारतीय महिलाओं पर अपनी बेहद आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर। रिचर्ड ने 1971 में भारत को डराने के लिए बंगाल की खाड़ी में अपने जहाज भी भेजे थे। अब उस दौरान दिए गए उनके बयान सामने आए हैं। आर्काइवल डेटा से पता चला है कि रिचर्ड ने कहा था कि दुनिया में सबसे कुरूप दिखने वाली महिलाएं भारतीय हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी के अकैडमिक गैरी बास को नया मटीरियल मिला है। इसके मुताबिक रिचर्ड ने कहा था कि भारत की महिलाएं बेहद दयनीय हैं और भारत के लोग रिपल्सिव (अरुचिकर) हैं।

चीन–भारत सीमा विवाद में मदद के लिए तैयारः डोनाल्ड ट्रम्प

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि पश्चिमी हिमालय से गुजरने वाली पर्वत सीमा को लेकर भारत और चीन के बीच विवाद को सुलझाने में अमेरिका मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम चीन और भारत के संबंध में मदद करने के लिए तैयार हैं। अगर हम कुछ भी कर सकते हैं, तो हम इसमें शामिल होना और मदद करना पसंद करेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय–अमेरिकी वोटरों को अपनी तरफ लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। ट्रंप ने एक चुनावी सम्बोधन के दौरान भारत के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के लोग महान हैं। उन्होंने एक शानदार नेता को चुना है। उन्होंने कहा कि उन्हें भारतीय लोगों और पीएम मोदी का समर्थन प्राप्त है। डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पीएम मोदी हमारे सबसे अच्छे मित्रों में से एक हैं और वे बेहद ही शानदार काम कर रहे हैं।

चीन छोड़कर भारत आने वाली कंपनी को मिलेगी सब्सिडी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर चीन चौतरफा घिरता जा रहा है। भारत ने कड़े कदम उठाते हुए चाइनीज ऐप पर प्रतिबंद लगा दिया। वहीं, चीन पर इस बार हमला भारत के मित्र जापान की तरफ से हुआ है। दरअसल, जापान ने कहा है कि वह उन जापानी कंपनियों को सब्सिडी प्रदान करेगा, जो चीन के बजाय आसियान देशों में अपने सामान को तैयार करेंगी। साथ ही जापान ने भारत और बांग्लादेश को भी इस सूची में शामिल किया है, जहां जापानी कंपनियां अपने उत्पाद तैयार कर सकती हैं। इस तरह जापान के इस फैसले से दोनों देशों को खासा लाभ होगा। जापान सरकार ने कंपनियों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी के रूप में अपने 2020 के पूरक बजट में 221 मिलियन डॉलर (या 1,615 करोड़ रुपये) आवंटित किए हैं। जो कंपनियां, चीन से बाहर भारत में और आसियान क्षेत्र में अपनी कंपनी स्थानांतरित करेगी उसे इस सब्सिडी का लाभ मिलेगा।

बांग्लादेश की मस्जिद में लगे एसी में विस्फोट, नमाज अदा कर रहे 12 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के बाहरी इलाके में स्थित एक मस्जिद में लगे छह एयरकंडीशन के फटने से एक बच्चे सहित 12 नमाजियों की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को ईशा की नमाज के दौरान हुई। ढाका मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बर्न यूनिट (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी) से जुड़े डॉ. सामंथा लाल सेन ने कहा कि शनिवार को 11 नमाजियों की इलाज के दौरान मौत हुई है जबकि शुक्रवार को बुरी तरह घायल एक बच्चे ने दम तोड़ा था। हादसे में बुरी तरह घायल 25 अन्य लोगों का इलाज चल रहा है। ये सभी 90 फीसद से अधिक जले हैं। ढाका ट्रिब्यून ने नारायणगंज फायर सर्विस के डिप्टी असिस्टेंट डायरेक्टर अब्दुल्ला अल आरफिन के हवाले से कहा है कि मस्जिद के नीचे से टाइटस गैस की पाइपलाइन गुजरती है।

थाईलैंड ने चीन को दिया दोहरा झटका

चीनी राष्ट्रपति के दौरा रद्द करने से पाकिस्तान को लगा करारा झटका

झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बैंकॉक। दुनियाभर को अपने आक्रामक रवैये से परेशान करने वाले चीन को थाईलैंड ने दोहरा झटका दिया है। थाईलैंड ने चीन के क्रा कनाल प्रॉजेक्ट को कैंसल कर दिया है जिससे उसे स्ट्रेट ऑफ मलक्का से रास्ता मिलना अब मुश्किल हो गया है। खास बात यह है कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में तनाव के बाद भारत ने यहीं पर अपने जहाज तैनात कर दिए थे। चीन की कोशिश थी कि इस रास्ते का ऐक्सेस हासिल कर हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर के बीच आसानी से गुजरा जा सके ताकि अपने सैन्य बेस पर जाने का रास्ता साफ हो जाए। हालांकि, थाईलैंड के फैसले से साफ है कि भले ही भारत के साथ चीन आक्रामक तेवर अपना रहा हो, एशिया में प्रभुत्व कायम करने का सपना सच करना आसान नहीं होने वाला है।

म्यांमार, कंबोडियो को हो सकती थी दिक्कतः क्रा–नहर प्रॉजेक्ट 120 किमी का मेगा कनाल प्रॉजेक्ट था। यहा थाईलैंड के क्रा में इस्थमस से होकर गुजरता और चीन के लिए एक अहम रास्ता हो सकता था। चीन की नौसेना को यहां से दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर के बीच बने बेस के बीच से गुजरने में मदद मिलती। हालांकि, फॉरन पॉलिसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस कनाल से थाईलैंड को तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन म्यांमार और कंबोडिया जैसे देशों के लिए चीनी दखल से परेशानी हो सकती थी।

चीन बढ़ा रहा सैन्य ताकत, कई बेस तैयारः भारत की पूर्वी और उत्तरपूर्वी सीमा को लेकर तनाव के साथ–साथ चीन ईस्ट और साउथ चाइना सी को लेकर भी कई देशों के साथ विवाद की स्थिति में है। ड्रैगन ने अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत और विस्तृत करने का काम तेज कर दिया है। हिंद महासागर में पनडुब्बियों और दक्षिण चीन सागर में सैन्य बेसों पर चीन की सक्रियता बढ़ने से दुनियाभर की नजरें उसकी ओर हैं। अमेरिका ने अपने जंगी जहाज भी तैनात कर दिए हैं। ऐसे में मलक्का स्ट्रेट जैसी भूगोलिक अहमियत वाली जगह पर रास्ता न मिलने से चीन को बड़ा झटका लगा है।

पनडुब्बियों की खरीद 2022 तक के लिए टलीः यही नहीं, थाईलैंड ने दो युआन–क्लास की एस26टी सबमरीन की खरीद भी टाल दी है। थाईलैंड की सरकार ने 72.4 करोड़ डॉलर की कीमत वाली दो पनडुब्बियों की खरीद भी टाल दी है। सरकार को विरोधी फियू थाई पार्टी और जनता का काफी विरोध झेलना पड़ा था। इस डील को 2022 तक के लिए टाल दिया गया है। प्रधानमंत्री प्रयुथ चान–ओचा ने इसकी जानकारी संसद की बजट समिति को दी। थाईलैंड 7 साल में ये दो पनडुब्बियां खरीदने वाला था।

स्वस्थ होने के बाद ही नवाज शरीफ पाकिस्तान लौटेंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के नेताओं ने शुक्रवार को यह घोषणा की कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वस्थ होने पर ही स्वदेश लौटेंगे। पार्टी नेताओं ने अपने इस ऐलान के साथ यह संकेत दिया है कि शरीफ अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमे की सुनवाई में पेश होने के लिये 10 सितंबर की न्यायिक समय सीमा के अंदर नहीं लौटेंगे।

इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इस सप्ताह के प्रारंभ में शरीफ को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष पेश हों और अधिकारियों के समक्ष 10 सितंबर तक पेश हों, अन्यथा फरार रहने को लेकर कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। पाकिस्तान के तीन बार प्रधानमंत्री रहे शरीफ इलाज के लिये अभी लंदन में हैं। पीएमएल–एन के एक वरिष्ठ नेता ने शुक्रवार को कहा, ''स्वस्थ होने से पहले नवाज शरीफ का 10 सितंबर तक पाकिस्तान लौटने और अपने खिलाफ मुकदमे का सामना करने की संभावना नहीं है। कुछ हफ्तों में लंदन में उनके हृदय की सर्जरी होने कार्यक्रम है और उन्हें इलाज कराना है।'' उन्होंने कहा कि शरीफ लौटने को इच्छुक हैं लेकिन उनके परिवार के सदस्य और पार्टी के नेता इसके खिलाफ हैं।

रोकने में सफल रही जॉनसन ऐंड जॉनसन की वैक्सीनः अध्ययन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरूशलम। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी जॉनसन ऐंड जॉनसन के साथ साझेदारी में विकसित कोविड–19 टीके के परीक्षण में पाया गया कि उससे ऐसे ऐंटीबॉडी बने जिनसे चूहों को नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाया जा सका। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है जो नेचर मेडिसिन पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन के अनुसार इस टीके ने सीरियाई सुनहरे चूहों में मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाया और उन्हें निमोनिया जैसे अनेक रोगों और मौत से बचाया जा सका। जॉनसन ऐंड जॉनसन और बर्थ इजराइल डीकोनेस मेडिकल सेंटर (बीआईडीएमसी) ने संयुक्त रूप से टीके का विकास किया गया है।

राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद चीन ने फिर दिखाए तेवर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मॉस्को। भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से मिलने के लिए मिन्नतें कर रहे चीन ने बाद में अपना रंग दिखा ही दिया। हमेशा की तरह इस बार भी चीन ने पहले बातचीत से मुद्दा सुलझाने का नाटक किया और फिर दो घंटे से ज्यादा चली बैठक के बाद पूरा जिम्मा भारत पर ही डाल दिया। वेई फेंघे ने कहा कि दोनो देशों और सेनाओं के बीच संबंध सीमा विवाद की वजह से प्रभावित हुए हैं और इसकी पूरी जिम्मेदारी भारत की है। फेंघे ने खुद राजनाथ से मिलने के लिए समय मांगा था। दोनों नेता मॉस्को में एसआईओ की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे।

मस्को में भारत और चीन के रक्षामंत्रियों ने की बैठक

चीन के रक्षा मंत्रालय मे बयान जारी कर कहा कि सीमा पर भारत और चीन के बीच मौजूदा तनाव की वजह और सच बहुत साफ है और जिम्मेदारी पूरी तरह से भारत की है। बयान में कहा गया– श्चीन अपने क्षेत्र को नहीं गंवा सकता है और चीनी सेना राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता के लिए पूरी तरह से दृढ़, आत्मविश्वासी और काबिल है। दोनों देशों को चेयरमैन जिनपिंग और पीएम मोदी की बनाई सहमति को लागू करना चाहिए और बातचीत से परेशानी सुलझानी चाहिए।

भारत पर ही डाली जिम्मेदारी चीन ने उम्मीद जताई है कि भारत दोनों देशों में किए गए श्समझौतों का पालन करेगा, फ्रंटलाइन बलों पर नियंत्रण मजबूत करेगा, एलएसी पर उकसावे से बचेगा, हालात गर्माने वाले ऐक्शन से बचेगा और जानबूझकर गलत जानकारी फैलाने से बचेगाश। बयान में यह भी कहा गया है कि दोनों देशों को भारत–चीन संबंधों और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के बारे में सोचना चाहिए और आधा–आधा रास्ता तय करना चाहिए ताकि मौजूदा हालात जल्द से जल्द सामान्य हो जाएं और सीमा क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम हो।

दोबारा उपयोग में लाया जाने वाला स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन ने दोबारा उपयोग में लाए जा सकने वाले एक प्रायोगिक अंतरिक्ष यान का शुक्रवार को प्रक्षेपण किया। हालांकि, उसने इसका विवरण गुप्त रखा है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक अंतरिक्ष यान को 'लॉन्ग मार्च–2एफ' रॉकेट के जरिये उत्तर पश्चिम चीन स्थित जियुकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से अंतरिक्ष के लिए रवाना किया गया। खबर के मुताबिक कक्षा के अंदर की अभियान अवधि के बाद यह अंतरिक्ष यान चीन में एक पूर्व निर्धारित स्थान पर उतरेगा। इसमें कहा गया है कि इससे प्रक्षेपण के दौरान इसकी पुनरूउपयोगी प्रौद्योगिकी की जांच होगी। हालांकि, हॉन्ग–कॉन्ग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक इस अभियान को गुप्त रखा गया है। इसने सोशल मीडिया पर मौजूद एक आधिकारिक पत्र का हवाला देते हुए कहा है कि प्रक्षेपण स्थल पर जाने वाले कर्मचारियों और आगंतुकों को प्रक्षेपण की तस्वीर लेने या इस पर ऑनलाइन चर्चा करने के खिलाफ चेतावनी दी गई है।